



2026:AHC:44861

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

रिट - सी संख्या – 2519/2026

राजराम

.....याची

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 3 अन्य

.....प्रत्यर्थागण

याची हेतु अधिवक्ता

: राज कुमार सिंह, विपिन कुमार

प्रत्यर्था हेतु अधिवक्ता

: मुख्य स्थायी अधिवक्ता

न्यायालय संख्या - 6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया

संदर्भ:- सिविल विविध संशोधन आवेदन संख्या 3/2026

1. वर्तमान संशोधन आवेदन शपथ पत्र के साथ इस प्रार्थना के साथ प्रस्तुत किया गया है कि वाद संख्या T202715959061856 के स्थान पर वाद संख्या T201715959061856 संशोधित किया जाए।

2. संशोधन आवेदन में किए गए कथनों के आलोक में, इसे स्वीकार किया जाता है और याची को आज ही के दिन आवश्यक संशोधन करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

संदर्भ:- सिविल विविध सुधार आवेदन संख्या 2/2026

1. प्रार्थना खंड में किए गए संशोधन के दृष्टिगत, शुद्धि पत्र आवेदन स्वीकार किया जाता है और दिनांक 11.02.2026 के आदेश को निम्नलिखित रूप में संशोधित किया जाता है:

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"



2. उपरोक्त आदेश के तीसरे पैराग्राफ में उद्धृत प्रार्थना की पांचवीं पंक्ति में "वाद संख्या T202715959061856" को हटा दिया जाए और इसे "वाद संख्या T201715959061856" पढ़ा जाए।

(प्रकाश पांडिया न्यायमूर्ति)

26 फरवरी, 2026

सकलेन

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"